R.N.I.NO- UPHIN/2010/548340

यूनाइटेड टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष–12 अंक–45 लखनऊ, सोमवार 07 अगस्त, 2023 पृष्ठ 8 मूल्य–एक रूपये

सुप्रीम कोर्ट से मिली राहुल गांधी को राहत

एजेंसी,तिरुवनंतपुरम। सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी, इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को वायनाड में जश्न मनाया। राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी कैसे है? टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के लिए 23 मार्च को सूरत की निचली अदालत ने राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया था। इस टिप्पणी की व्याख्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी और ललित मोदी के बीच एक अंतर्निहित संबंध निकालने के प्रयास के रूप में की गई थी। वायनाड में कुछ स्थानों पर कांग्रेस समर्थक अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सड़कों पर उतर आए और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पार्टी की सभी 14 जिला इकाइयों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जश्न मनाने के लिए कहा। तीन बार के कांग्रेस विधायक और युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शफी परम्बिल ने कहा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी और वायनाड के लोग निश्चित रूप से खुश होंगे।

हम सभी ने देखा कि अयोग्य ठहराए जाने के बाद जब वह (राहुल गांधी) अपने निर्वाचन क्षेत्र में आए तो लोग उनके पास कैसे पहुंचे।

सहारा की योजनाओं में फंसे 112 छोटे निवेशकों को 10-10 हजार रुपए जारी

एजेंसी,नयी दिल्ली । सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सहारा समूह की चार सहकारी समितियों के करोड़ों जमाकर्ताओं की गाढ़ी कमाई लौटाने की प्रक्रिया शुरू की। इसके

पहले चरण के तहत उन्होंने 112 छोटे निवेशकों को 10–10 हजार रुपए की पहली किस्त जारी की। शाह ने कहा कि अबतक 18 लाख जमाकर्ताओं ने 'सीआरसीएस–सहारा रिफंड पोर्टलश पर पंजीकरण कराया है। इस पोर्टल की शुरुआत 18 जुलाई को हुई थी।उन्होंने धनराशि जारी करने के बाद कहा, ''अबतक 18 लाख निवेशकों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है... आज 112 निवेशकों में प्रत्येक के बैंक खाते में लगभग 10,000 रुपए स्थानांतरित किए गए हैं। शाह ने कहा कि ऑडिट पूरा होते ही धनराशि की अगली किस्त जल्द ही हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने जमाकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा, ''मैं भरोसा देना चाहता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले दिनों में सभी जमाकर्ताओं को उनकी धनराशि मिल जाएगी। शाह ने कहा कि यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि निवेशकों का धन सुरक्षित रहे और उन्हें वापस मिले। उन्होंने कहा कि प्रबंधन की गलती और अदालती मुकदमों में देरी के कारण सहारा के जमाकर्ताओं को पिछले 12–15 वर्षों से उनका धन वापस नहीं मिल रहा था। शाह ने सेबी–सहारा फंड से 5,000 करोड़ रुपए हासिल करने के लिए सहकारिता मंत्रालय के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि मंत्रालय ने इस मुद्दे पर सीबीआई और आयकर विभाग सहित सभी संबंधित सरकारी निकायों को साथ लाने की पहल की।

रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, 45 लाख का सामान जलकर हुआ राख

एजेंसी,बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में नगर के व्यस्ततम मार्केट अंसारी रोड स्थित एक चार मंजिला रेस्टोरेंट में शुक्रवार तड़के भीषण आग लग गई । इस भीषण अग्निकांड में 50 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति के नुकसान की आशंका है। यहां अंसारी रोड मार्केट में ऋषि कुमार मोनू का चार मंजिला क्वालिटी कैफिटेरिया एंड रेस्टोरेंट है इसकी ग्राउंड फ्लोर पर उसके चचेरे भाई वैभव की बैग एवं अटैची की दुकान है। आज तड़के लगभग तीन बजे दुकान से आग की लपटें निकलनी शुरू हुई। सूचना पर पुलिस फायर ब्रिगेड की फायर बिग्रेड की गाड़ियां और रेस्टोरेंट दुकान के मालिक मौके पर पहुंच गए। सहायक पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा उप जिला अधिकारी गजेंद्र सिंह टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। आग के विकराल रूप को देख जिलेभर से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।

सीएम योगी ने शोधार्थियों से किया संवाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सकारात्मक विकासखंडों में कार्यरत शोधकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विकासखंडों की प्रगति पुस्तिका का विमोचन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सकारात्मक विकासखंडों में कार्यरत शोधकर्ताओं से संवाद किया। इसके साथ ही सीएम योगी ने विकास खंडों की प्रगति पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस दौरान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश में पिछले साल 100 से ज्यादा विकासखंड राज्य के औसत से भी पीछे थे लेकिन इस साल के आंकड़े को देखे तो 10 से भी कम विकासखंड हैं जो औसत से पीछे हैं।

मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम के शोधार्थियों के द्वारा गांव में स्वरोजगार सृजन करने और ग्राम पंचायत स्तर पर बैंकों के कैंप लगाने का काम किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फेलोशिप कार्यक्रम के तहत 100 छात्र विकासखंडों में तैनात शोधार्थियों से संवाद भी स्थापित किया। खंडों में इस दौरान शोधार्थियों ने अपने अपने विकासखंडों में किए जा रहे कामों से भी सीएम को अवगत कराया।

उत्तर प्रदेश के विकास खंडों की प्रगति पुस्तिका का विमोचन किया। विकास उत्तर प्रदेश के सभी विकास खंडों में किए गए कामों का उल्लेख किया गया है।

वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे पीएम मोदी

एजेंसी,झांसी । उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, डबरा तथा खजुराहो रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अगस्त को वर्चुअल माध्यम से रखने जा रहे हैं। यहां डीआरएम कार्यालय में पत्रकारों को इस संबंध में जानकारी देते हुए सिन्हा ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 508 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास होना है इसी के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अगस्त को वर्चुअल माध्यम से झांसी, डबरा और खजुराहो रेलवे स्टेशनों के

पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने बताया कि झांसी रेलवे स्टेशन का 477६ 55 करोड़ की लागत से पुनर्विकास और उच्चीकरण का काम किया जाएगा और इसी के तहत स्टेशन पर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं विकसित की जायेंगी। यह सब आने वाले 50 वर्षों की संभावित जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जायेगा। इसका फ्रंट और बैक व्यू झांसी का किला और रानी महल से प्रेरित है। स्टेशन परिसर में आवागमन की बहुत अच्छी सुविधा विकसित की जायेगी। स्टेशन पर दो एंट्री तैयार की जायेंगी और दूसरी एंट्री के लिए सिटी प्लानर के अनुसार सर्कुलेटिंग एरिया का विकास किया जायेगा। इसके तहत दोनों तरफ बड़ी पार्किंग की भी व्यवस्था की जायेगी। इतना ही नहीं स्टेशन पर 36 लिफ्ट, 19 एस्केलेटर्स और 02ट्रेविलेटर का प्रावधान है। स्टेशन पर पीक आवर्स में यात्री वाहन की क्षमता को 6093 से बढ़ाकर 17061 किया जायेगा।

स्टेशन पर निर्बाध बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 250 किलोवाट के सोलर पैनल लगाए जायेंगे। गाडियों की समय से जुड़ी सूचना देने के लिए 10 बड़ी वीडियो वॉल बनाई जायेंगी।

स्टेशन परिसर को विकसित करने में लोक कला का इस्तेमाल किया जायेगा साथ ही दिव्यांगजनों की सुगमता को ध्यान में रखकर स्टेशन में सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

उत्तराखंडः गौरीकुंड में बाढ़-भूस्खलन

एजेंसी,रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर गौरीकुंड के पास भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन के बाद तीन लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य लापता हो गए। रुद्रप्रयाग जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि बृहस्पतिवार को मध्य रात्रि के बाद तेज बारिश के दौरान गौरीकुंड से कुछ मीटर दूर डाट पुलिया में आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण मलबे के साथ तीन दुकानें बह गईं, जिससे उसमें रह रहे तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर रात में ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था ।

संक्षिप्त समाचार

सड़क पर तलवार से काटा केक

अमेठी,संवाददाता। प्रशासन की लाख सख्ती और कार्यवाही के बावजूद युवको में तलवार से केक काटकर जश्न मनाने का सिलसिला कम नहीं हो रहा है। अमेठी से ऐसा ही मामला सामने आया है। अमेठी में बर्थडे पर केक काटने के लिए कुछ लड़के सड़क पर बाइक लगाकर उसपर केक रखकर काटते नजर आ रहे हैं। अब यही वीडियो उनके लिए गले की फांस बन गया है। पुलिस आरोपी युवकों की तलाश कर रही है। फिलहाल वायरल वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, ये पूरा मामला अमेठी जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र का बताया जा रहा है। जहां बर्थडे पार्टी के दौरान कुछ युवक बीच सड़क पर सड़क जाम कर तलवार से केक काटते नजर आ रहे हैं।वीडियो में युवक जश्न मना रहे हैं और उन्हें प्रशासन का कोई खौफ नहीं है।

6 साल के बच्चे के साथ कुकर्म

बस्ती,संवाददाता। जिले में गौर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 6 साल के बच्चे के साथ गांव के ही एक युवक द्वारा कुकर्म करने का मामला सामने आया है। मामले में आरोपी के खिलाफ अप्राकृतिक दुष्कर्म, पॉक्सो और एससीएसटी की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कुकर्म के शिकार 6 वर्षीय बालक को गांव निवासी तमेश्वर वर्मा (30) ने उसे अमरूद खिलाने का लालच दिया। अमरूद खाने के लालच में बालक उसके साथ चला गया। बालक को आरोपी गांव के ही एक गन्ने के खेत में लेकर चला गया और उसके साथ कुकर्म किया। कुकर्म के बाद बालक ने घर आकर परिवार वालों को अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। इसके बाद बालक के बाबा ने गौर थाने पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी तमेश्वर के खिलाफ अप्राकृतिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और एससीएसटी की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया।

जिला उपभोक्ता फोरम को सुलह समझौतों के लिए मिला कार्यालय

बस्ती,संवाददाता। जिला उपभोक्ता विभाग प्रतितोष आयोग में मध्यस्थता यानी सुलह समझौता प्रकोष्ठ को नया कार्यालय मिल गया है। डीएम प्रियंका निरंजन ने कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद कार्यालय में बैठ कर अध्यक्ष व मध्यस्थ सदस्यों से बातचीत की।कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देश पर केंद्र सरकार 2020 में कानून में संशोधन कर देश के हर जिले के उपभोक्ता न्यायालय में सुलह समझौता केंद्र संचालित करने का आदेश दिया है। इसका कारण मुकदमों की फाइलें लंबित होती हैं। इसके बाद सरकार की पहल पर जिले के उपभोक्ता न्यायालय पांच मध्यस्थ नियुक्त हुए हैं, मगर उनके लिए कार्यालय की व्यवस्था नहीं हो पाई थी। डीएम ने बार के अनुरोध पर पिछले दिनों कार्यालय को आवंटित कर दिया था।एडीएम कमलेश चंद्र ने अपनी बात रखी। उद्घाटन के बाद सदस्य महादेव दूबे, मंजूला मिश्रा, प्रेम सागर मिश्र, आशुतोष भारती व अशोक कुमार वर्मा आदि ने कार्य शुरू किया।

तालाब में मगरमच्छ देख सहमे लोग

बहराइच,संवाददाता। बेलहा–बहरौली तटबंध के किनारे एक तालाब में मगरमच्छ दिखने से हड़कंप मच गया। सूचना पर वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ पकड़ा। मगरमच्छ को चहलारीघाट स्थित सरयू नदी में छोड़ दिया है। हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गरेठी गुरुदत्त सिंह के पास बेलहा–बहरौली तटबंध के किनारे तालाब में बुधवार शाम गांव के लोगों ने मगरमच्छ देखा। थोड़ी देर में बड़ी संख्या में आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। शोर सुनकर मगरमच्छ गहराई में चला गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को सूचना दी। टीम ने लोगों से रात में तालाब के समीप न जाने की अपील की। आज पुनः वन क्षेत्राधिकारी मोहम्मद शाकिब टीम के साथ पहुंचे। शिकारियों को बुलाकर तालाब में जाल डालकर मगरमच्छ का रेस्क्यू किया। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि रेस्क्यू किए गए मगरमच्छ को चहलारी घाट स्थित घाघरा नदी में छोड़ दिया गया है।

पत्नी से फोन पर बात करने के शक में दोस्त को पीटा

बहराइच,संवाददाता। पत्नी से बात करने के शक में एक युवक ने अपने दोस्त को कमरे में बंद कर जम कर पीटा। इस दौरान चिल्लाने की आवाज बाहर न जाए, इसके लिए घर में तेज आवाज में होम थियेटर बजा दिया। युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। फखरपुर थाना क्षेत्र के खैरा प्यारेपुर निवासी शाकिर अली की उसी के गांव के सलमान से दोस्ती है। आरोप है कि बीते दिनों मोबाइल रिचार्ज के लिए शाकिर ने दोस्त सलमान को फोन किया था। लेकिन फोन उसकी पत्नी ने उठाया। जिसकी जानकारी पर सलमान आगबबूला हो गया। उसने शाकिर को घर में बंद कर जमकर पीटा। शाकिर के चचेरे भाई बबलू ने बताया कि सलमान ने शाकिर को बीते 30 जुलाई को बहाने से घर बुलाया। इसके बाद तेज आवाज में होम थियेटर बजाकर खूब पीटा।

डैश बोर्ड पर विभागीय सूचनाएं समय से करें अपडेट

बहराइच,संवाददाता। जिले में मुख्यमंत्री डैश बोर्ड से सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री डैश बोर्ड से सम्बन्धित विभाग डैश बोर्ड का अवलोकन कर यह सुनिश्चित करें, कि आपके विभाग की कौन–कौन सी योजनाएं डैश बोर्ड पर अपलोड की गयी है।उनकी अद्यतन प्रगति की स्थिति क्या है। यदि किसी योजना में प्रगति संतोषजनक नहीं है। जिससे जिले की रैंकिंग प्रभावित हो रही है। उन योजनाओं की प्रगति में आपेक्षित सुधार कर विभाग से समन्वय कर फीड कराए। जिससे अन्य जिलों की भांति जिले को भी अच्छी रैंकिंग प्राप्त हो सके।

राहुल गांधी की सजा रोक के बाद अमेठी में जश्न

कांग्रेसियों ने आतिशबाजी कर एक दूसरे को खिलाई मिठाई, बोले, सत्य की जीत हुई

अमेठी,संवाददाता। अमेठी के पूर्व सांसद राहुल गांधी की सजा पर देश की सर्वोच्च अदालत द्वारा रोक लगाने के बाद अमेठी में जश्न शुरू हो गया। अमेठी कस्बे के राजीव गांधी तिराहा पर कांग्रेस नेताओं ने जमकर आतिशबाजी करते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। कांग्रेसियों ने इसे सत्य की जीत बताया। देश की सर्वोच्च अदालत ने आज अमेठी के पूर्व सांसद राहुल गांधी की दो साल की सजा पर रोक लगा दी। राहुल गांधी की सजा पर रोक लगने की जानकारी मिलते ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष और युवा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं अमेठी कस्बे के राजीव गांधी तिराहा पहुंचे और जमकर आतिशबाजी करते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। इस दौरान कांग्रेसियों ने जमकर नारे भी लगाये। वहीं, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि राहुल गांधी का जो कोर्ट में ट्रायल चल रहा था उस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे दे दिया है और कहा है कि मोदी वाला जो बयान था वह आपत्तिजनक नहीं है। सत्य कभी पराजित नहीं हो सकता और सच्चाई कभी छुप नहीं सकती। जिस तरह से राहुल गांधी सत्य की राह पर चल रहे हैं वह गलत नहीं होगा। राहुल गांधी एक बार फिर से लोकसभा में दहाड़ेंगे और मोदी जी से सवाल पूछेंगे कि अडानी–अंबानी को दिए गए 20 हजार करोड़ रुपए किसके हैं। राहुल गांधी की जीत पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार है। आज जो फैसला आया है इससे पूरे अमेठी और पूरे देश में राहुल गांधी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। पूरे देश में आज खुशी का माहौल है। अमेठी में भी कार्यकर्ता राहुल गांधी की जीत का जश्न मना रहे हैं। 2024 में राहुल गांधी एक बार फिर अमेठी चुनाव लड़ेंगे और हम चुनाव जीतेंगे।

अभ्युदय योजना का लाभ उठाएं छात्र : डीएम

बहराइच,संवाददाता। कलेक्ट्रेट सभागार में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की समीक्षा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत जनपद स्तर पर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को मुफ्त में कोचिंग–प्रशिक्षण की सुविधा मिल रही है। डीएम ने जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर को निर्देश दिया कि योजना का व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार कराया जाए, ताकि अर्हता रखने वाले छात्र–छात्राएं प्रदेश सरकार की इस अभिनव योजना का भरपूर लाभ उठा सकें। डीएम मोनिका रानी ने निर्देश दिया कि शैक्षिक सत्र 2023–24 के लिए आवेदन करने वाले समस्त मेधावी छात्रों को योजना से आच्छादित कराएं जाने के निर्देश दिये। डीएम ने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत यूपीएससी, नीट, जेईई, एनडीए, सीटीईटी के साथ–साथ अन्य प्रतियोगात्मक परीक्षाओं के कोर्सेस का संचालन किया जाए, ताकि आकांक्षात्मक जिले के अधिक से अधिक मेधावी छात्र निशुल्क कोचिंग का लाभ उठाकर अच्छे पदों पर आसीन होकर नाम रोशन कर सकें। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि कोचिंग के लिए कुशल एवं योग्य फैकल्टी, टीचर व विषेशज्ञों का चयन किया जाएगा, ताकि शासन की मंशानुरूप योजना अपने उद्देश्यों में सफल हो सके।

बैठक के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2021–22 एवं 2023 में कोचिंग योजना के तहत संचालित विभिन्न प्रतियोगात्मक परीक्षाओ की तैयारी कर रहे गरीब परिवारों के 5 मेधावी छात्र राहुल बाजपेई व आकाश शुक्ला यूपी पुलिस में उप निरीक्षक, सचिन तिवारी सीआरपीएफ में उप निरीक्षक, दीपक राज मिश्रा उच्च न्यायालय प्रयागराज में कनिष्ठ सहायक के पद पर चयनित हो चुके हैं, जबकि छात्र विकास को जेआएफएनईटी में सफलता मिली है। डीएम ने इन छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कैसरगंज पंकज दीक्षित, महसी राकेश कुमार मौर्या, प्रयागपुर दिनेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्ता, बीएसए अव्यक्तराम तिवारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी राजन कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय सिंह सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

एनडीए–इंडिया छोड़ें, अपनी तैयारी में जुटें : बाबू सिंह कुशवाहा

प्रयागराज,संवाददाता। भाजपा का गठबंधन एनडीए हो या फिर विपक्ष का गठबंधन इंडिया, दोनों के चुनाव के अपने लक्ष्य हैं, लेकिन जन अधिकार पार्टी का अपना लक्ष्य है। हमारा नारा जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी भागीदारी है। इसी पर काम करने की जरूरत है। इसके लिए जातीय जनगणना की बात कही गई। यह बातें जन अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को राम वाटिका में आयोजित मंडलीय सम्मेलन में कहीं। प्रयागराज में मंडलीय सम्मेलन को सम्बोधित करने आए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में पूरी तैयारी से जुटने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल पर अभी से मेहतन करने की जरूरत है। हर वर्ग से बात करें और जमीनी स्तर पर तैयारी में जुटें। इस दौरान उन्होंने दो और तीन सितंबर को जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए तैयार रहने के लिए कहा। मंच से सम्बोधित करने के बाद मीडिया से मुखातिब हुए बाबू सिंह कुशवाहा ने मणिपुर घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए वो कम है। हमारे देश और मणिपुर की सरकार को इस घटना पर खुद संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन दुखद है कि इतने बड़े घटनाक्रम में कोर्ट को संज्ञान लेना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दफ्तर में लगी आग, कई उपकरण और फर्नीचर जलकर राख

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दफ्तर में आज सुबह आग लग गई। इस घटना में कार्यालय में रखे कई उपकरण, फर्नीचर और कंप्यूटर जल गए। घटना की जांच के लिए 7 सदस्यीय समिति गठित की गई है। प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राम केवल ने इस घटना के सिलसिले में राजस्व विभाग को दी गई जानकारी में बताया कि लखनऊ के विभूति खंड के पिकप भवन में स्थित उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दफ्तर में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े छह बजे शार्ट सर्किट के कारण आग लग गई। अधिकारी के मुताबिक, इस घटना में कार्यालय में मौजूद कई उपकरण, कुर्सी, मेज, एयर कंडीशनर, टेलीविजन और कुछ कंप्यूटर जल गए।

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद हेतु पदो के सृजन के आदेश

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन मे पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के थाना लोनी के अन्तर्गत नवीन पुलिस थाना अंकुर विहार हेतु 34 व थाना क्षेत्र साहिबाबाद के क्षेत्रान्तर्गत स्थित पुलिस थाना शालीमार गार्डन हेतु 35 कुल 69 पदों के सृजन के आदेश निर्गत कर दिये गये हैं। प्रमुख सचिव, गृह संजय प्रसाद ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के कमिश्नरेट गाजियाबाद के थाना लोनी के अन्तर्गत नवीन पुलिस थाना अंकुर विहार हेतु व थाना क्षेत्र साहिबाबाद के क्षेत्रान्तर्गत स्थित पुलिस थाना शालीमार गार्डन हेतु निरीक्षक, नागरिक पुलिस के 01–01, उपनिरीक्षक के 02–02, मुख्य आरक्षी के 09–09, आरक्षी के 15–15, आरक्षी चालक के 02–02, चतुर्थ श्रेणी (आउटसोर्स) के 03–03 एवं कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड ए के 02–03 पदो का सृजन किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा यह निर्णय इस क्षेत्र में बेहतर शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने, अपराधों पर और अधिक प्रभावी तरीके से अंकुश लगाये जाने, महिलाओं एवं जन–सामान्य को और अधिक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है।

बिना पंख के उड़ने का ख्वाब होती है,दोस्ती की दुनिया भी लाजवाब होती है

लखनऊ,संवाददाता। किंडरगार्टन के नन्हें वर्षों में पनपने वाली दोस्ती बच्चों के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह जीवन भर का महत्त्वपूर्ण बंधन होती है। एलेन हाउस पब्लिक स्कूल, वृन्दावन योजना, लखनऊ के प्री–प्राइमरी विंग के नन्हे–मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा फ्रेंडशिप–डे मनाया। उन्हें मित्रता दिवस के महत्त्व के बारे में बताया गया और एक सच्चे मित्र से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ भी अनेकों रूप में विद्यालय में आयोजित की गई। श्री कृष्ण और सुदामा की अटूट मित्रता बंधन पर एक प्रेरणादायक वीडियो के माध्यम से नन्हे–मुन्ने को सच्ची मित्रता का सार दिखाया व समझाया गया। नन्हे–मुन्ने बच्चों की आँखें खुशी से चमक रही थीं और उन्हें सच्ची दोस्ती का मतलब भी समझ आ गया था। विद्यार्थियों द्वारा एक सुंदर गीत गाया गया और सभी ने गीत की धुन का आनंद लिया। प्रिंसिपल पूनम अरोड़ा और वाइस प्रिंसिपल रेनू सती ने सभी विद्यार्थियों को मित्रता दिवस की बधाई दी व उन्हें अपना आशीर्वाद दिया ताकि वे अपने जीवन में खूब तरक्की करें। उन्होंने अपने क्लास सहपाठियों के लिए ग्रीटिंग कार्ड और फ्रेंडशिप बैंड बनाए और इसे अपने दोस्तों को देने के लिए वे काफी उत्साहित दिखे।

कानून और संविधान पर भरोसा था : अजय लल्लू

लखनऊ,संवाददाता। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने के बाद यूपी कांग्रेस के नेताओं में खुशी की लहर है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य अजय लल्लू ने कहा कि यह संविधान और कानून की जीत है। मुझे पहले से भरोसा था कि न्यायपालिका ही देश के संविधान को बचा सकती हैं। यूपी कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर रोक न्याय की जीत है। अब लोकतंत्र में रहकर राहुल गांधी एक बार फिर से जनता और आम आदमी की आवाज को बुलंद करते रहेंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अजय लल्लू ने कहा न्यायपालिका और देश के सर्वोच्च न्यायालय ने जो राहुल गांधी की सजा पर रोक के आदेश दिया है। उसका पूरा देश और कांग्रेस पार्टी सम्मान करती है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा जिस तरीके से सुनवाई के दौरान सवाल पूछे गए उसका जवाब नहीं दिया जा सका। सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए अपने नेताओं के जरिए कोर्ट को भी राजनीतिक अड्डा बना चुकी है। राहुल गांधी देश की आम जनता की आवाज उठा रहे थे और सरकार की नाकामियों को उजागर कर रहे थे।

के वि लखनऊ में संभागीय योगाभ्यास प्रतियोगिता का समापन

लखनऊ,संवाददाता। केंद्रीय विद्यालय लखनऊ कैंट, लखनऊ में 4 दिवसीय 52वीं केंद्रीय विद्यालय संगठन की संभागीय योगासन (बालिका 14,17 और 19 आयु वर्ग) प्रतियोगिता 2023 का समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में संभाग की कुल 24 केंद्रीय विद्यालय की टीमों ने भाग लियास योगाभ्यास 14 के अंतर्गत के वि आई आई टी कानपुर की टीम को प्रथम स्थान, के वि न. 1 ए एफ सी, चकेरी कानपुर को द्वितीय जबकि के वि एन ई आर, बरेली को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक ने बताया कि अंडर–17 योग प्रतियोगिता में केवी आईआईटी कानपुर को प्रथम केवी एएमसी लखनऊ (शिफ्ट वन) को द्वितीय जबकि केवी लखनऊ कैंट को तृतीय स्थान प्राप्त हुआस अंडर–19 गर्ल्स योग प्रतियोगिता में केवी आईआईटी, कानपुर को प्रथम, केवी लखनऊ कैंट को द्वितीय जबकि केवी नंबर वन, ए एफ एस, चकेरी कानपुर टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

जूनियर एडेड शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के जूनियर हाईस्कूल (एडेड) की भर्ती भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया। बेसिक शिक्षा निदेशालय के शिविर कार्यालय में इस परीक्षा के चयनित अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की। अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री से लेकर अफसरों तक इस मामले पर चुप्पी साधने के आरोप लगाते हुए आरपारकी लड़ाई लड़ने की बात कही। विरोध प्रदर्शनबौर नारेबाजी के दौरान मौके पर सुरक्षाबलों की तैनाती रही। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों में से मुकेश ने बताया कि मामला प्रदेश के 3049 जूनियर हाई स्कूल एडेड विद्यालयों से जुड़ा है।

साल 2019 में प्रदेश सरकार ने स्कूलों में भर्ती परीक्षा प्रक्रिया में बदलाव करते हुए प्रबंध तंत्र को भर्ती प्रक्रिया से अलग कर दिया। नई नियमावली के तहत भर्ती निकाली गई 17 अक्टूबर 2021 को परीक्षा हुई इसके बाद 15 नवंबर को रिजल्ट आया।जिसमें करीब 45 हजार अभ्यर्थी चयनित घोषित किए गए। इस बीच परीक्षा परिणाम को लेकर कुछ लो कोर्ट चले गए जिसके बाद पुनः परीक्षा रिजल्ट जारी किया। कई महीनों बाद 6 सितंबर 2022 को दोबारा रिजल्ट आया, जिसमे 42 हजार 257 पास हुए। पर अभी तक एक भी अभ्यर्थी का चयन नही किया गया। तब से लगातार नियुक्ति देने की मांग की जा रही हैं पर अभी तक कोई सुनवाई नही हुई।

सरकार द्वारा लगातार इस विषय की अनदेखी की जा रही हैं। प्रयागराज में लगातार 10 दिन तक प्रदर्शन चला पर कोई ठोस कार्रवाई नही हुई।

अब हम लखनऊ आकर प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी मांग हैं कि बेसिक शिक्षा मंत्री इस मामले में पहल करते हुए सभी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिलाए। जब तक नियुक्ति नही मिलेगी, प्रदर्शन जारी रहेगा।

लोकसभा 2024 के लिए 20 सांसदों का कट सकता है टिकट

बीजेपी ने कराया सर्वे, बृजभूषण, वरुण, मेनका, रीता बहुगुणा के टिकट पर लटकी तलवार

लखनऊ,संवाददाता। लोकसभा 2024 चुनाव के लिए बीजेपी ने यूपी में मिशन 80 का लक्ष्य रखा है। 2014 और 2019 की तरह इस बार भी बीजेपी को उम्मीद है कि यूपी के सहारे वह दिल्ली की कुर्सी पर काबिज होगी। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बीजेपी पूरी तरीके से जोर आजमाइश में जुटी हुई है। बीजेपी लगातार मिशन 80 के लिए अपने सांसदों का इंटरनल सर्वे करा रही है। इस बार बीजेपी ने लगभग 3 महीने पहले ही इंटरनेशनल शुरू करा दिए। पार्टी सूत्रों की माने तो अब तक दो इंटरनेशनल किए जा चुके हैं। इस सर्वे की रिपोर्ट तीन बातों के आधार पर बनाई गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, उम्र के चलते कई सांसदों के टिकट इस बार करते हुए नजर आ रहे हैं। जिसमें रीता बहुगुणा, जोशी सत्यदेव पचौरी, संतोष गंगवार, हेमा मालिनी, वीके सिंह, अक्षय

वर लाल गौड़, राजेंद्र अग्रवाल के नाम शामिल हैं। परफॉर्मेंस और क्षेत्र में कम लोकप्रियता के आधार पर भी कई टिकट सांसदों के करते हुए नजर आ रहे हैं। जिसमें देवेंद्र सिंह भोले, आर के पटेल, केसरी देवी पटेल विजय दुबे, उपेंद्र रावत, मुकेश राजपूत, बीपी सरोज, रमेश चंद बिंद, संगम लाल गुप्ता, वरुण गांधी, बृजभूषण शरण सिंह, मेनका गांधी, जय प्रकाश रावत के नाम शामिल हैं। चुनाव में टिकट बदलने की बीजेपी में पुरानी परंपरा रही है। साल 2019 में जब लोकसभा के चुनाव यूपी में हुए तो लगभग एक दर्जन सांसदों के टिकट बीजेपी ने काट दिए. वहीं अगर 2022 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो उस वक्त बीजेपी ने लगभग 80 से ज्यादा विधायकों के टिकट काट दिए थे, और कुछ टिकट बदल दिए थे। बीजेपी के लिए कहां जाता है कि चुनाव कोई भी हो उसका केवल एक ही फार्मूला रहता है वह फार्मूला है जीत का इसके लिए भाजपा अपने वर्तमान जनप्रतिनिधियों के टिकट काटने में कोई बुरेज नहीं करती दूसरे दलों से आए लोगों को टिकट देने में भी देरी नहीं करती।

राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाकर न्यायपालिका में लोगों की आस्था को बढ़ावा दिया : अखिलेश

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राहुल गांधी द्वारा मोदी उपनाम को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी के संबंध में 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगा दी है। इसे लेकर अखिलेश ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने राहुल गांधी जी की सजा पर रोक लगाकर भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका में लोगों की आस्था को बढ़ावा दिया है। भाजपा की नकारात्मक राजनीति का अहंकारी ध्वज आज उनके नैतिक अवसान के शोक में झुक जाना चाहिए। बता दें कि मोदी उपनाम को लेकर की गई कथित विवादित मामले में राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक

लगाते हुए शुक्रवार को उनकी लोकसभा की सदस्यता बहाल कर दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि टिप्पणी उचित नहीं थी और सार्वजनिक जीवन में भाषण देते समय एक व्यक्ति से सावधानी बरतने की उम्मीद की जाती है। पीठ ने कहा, "निचली अदालत के न्यायाधीश द्वारा अधिकतम सजा देने का कोई कारण नहीं बताया गया है, ऐसे में अंतिम फैसला आने तक दोषसिद्धि के आदेश पर रोक लगाने की जरूरत है।"

संपादकीय

आयात पर लगाम

भारत सरकार ने एचएसएन 8741 श्रेणी के अंतर्गत आने वाले लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के आयात पर तत्काल प्रभाव से व्यापक प्रतिबंध लगा दिए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रतिबंधित वस्तुओं के आयात की अनुमति केवल वैध लाइसेंस पर ही दी जाएगी। हालांकि, बैगेज नियमों के तहत आयात पर अंकुश लागू नहीं होगा। इसका एक अर्थ यह हुआ कि एक लैपटॉप, टैबलेट, ऑल–इन–वन पर्सनल कंप्यूटर या अल्ट्रा स्मॉल कंप्यूटर के लिए आयात लाइसेंस की जरूरत नहीं पडेघी। इस श्रेणी में कोई भी यथोचित शुल्क चुकाकर उपकरण विदेश से मंगा सकेगा या ला सकेगा। वास्तव में, जो सामान किसी ई–कॉमर्स पोर्टल से पोस्ट या कूरियर के माध्यम से खरीदे जाते हैं, उन पर अलग से निर्धारित शुल्क लेने का प्रावधान है। स्पष्ट है कि व्यक्तिगत रूप से लोगों को कोई ऐसा सामान विदेश से लाने या मंगाने में परेशानी नहीं होगी, पर अब कोई थोक में ऐसे सामान के आयात की नहीं सोच सकेगा। जो कंपनियां या विक्रेता कंपनियां विदेश से लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर आयात करती हैं, उनका कारोबार बंद होने वाला है। सरकार को यह कदम पहले ही उठा लेना चाहिए था, क्योंकि भारत में उत्पादन या निर्माण को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कदम जरूरी हैं। बड़ी कंपनियां भी ऐसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के आयात को तरजीह देती हैं। कम कीमत पर विदेश से ज्यादा सामान खरीदने के बाद ज्यादा कीमत पर भारत में बेचती हैं। ऐसे में, भारत में न तो निर्माण को बढ़ावा मिलता है और न रोजगार सृजन होता है, साथ ही, उत्पाद की बिक्री से होने वाला फायदा भी विदेश चला जाता है। ऐसे में, आयात रोकने के ताजा इंतजाम से भारत में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उत्पादन को बल मिलेगा। कंपनियां विदेश से लाकर आपूर्ति करने के बजाय भारत में ही निर्माण को बढ़ावा देंगी। वैसे भी ज्यादातर बड़ी निर्माता कंपनियों ने भारत में ही अपने निर्माण केंद्र बना लिए हैं, इन कंपनियों का काम बढ़ जाएगा, जिससे रोजगार में वृद्धि होगी। इसमें कोई शक नहीं कि भारत लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर का बड़ा उभरता बाजार है। चीन इत्यादि देशों में ऐसे उत्पादों के बाजार अब स्थिर होने लगे हैं। यूरोप की कुल आबादी से लगभग दोगुनी आबादी अकेले भारत में रहती है, ऐसे में, सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत कितना बड़ा बाजार है! ऐसे बडेघ बाजार को अपने इस्तेमाल के अधिकतम उत्पाद स्वयं बनाने चाहिए। जिन विदेशी या बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने यहां निर्माण शुरू कर दिया है, उनका सहयोग करने में कोई हर्ज नहीं है। साथ ही, छोटी–मझोली भारतीय कंपनियों को भी पूरी रियायत देते हुए 'मेक–इन–इंडिया' को सफल बनाना चाहिए। भारत को दुनिया का नया उत्पादन केंद्र या मैन्युफेक्चरिंग हब बनाने के लिए जो भी निर्णय या नीतियां संभव हैं, जल्दी लेने की जरूरत है। आज हमारी अर्थव्यवस्था को ज्यादा तेजी और रोजगार की जरूरत है।

संसदीय कटुता में कमी कौन लाएगा

नीरजा चौधरी

संसद में गतिरोध कोई नया मसला नहीं है। पहले भी इसकी बैठकें हंगामों की भेंट चढ़ती रही हैं। सन् 1996 में जब इंद्रजीत गुप्त गृह मंत्री थे, तब एक दिन वह सेंट्रल हॉल के ठीक बाहर अपना सिर पकड़कर बैठ गए थे, क्योंकि विपक्ष (भाजपा) तत्कालीन संयुक्त मोर्चा सरकार के खिलाफ पुरजोर हमलावर था। इसी तरह, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के समय कथित स्पेक्ट्रम घोटाले पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग पर एक पूरा सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया था। हालांकि, बाद में विपक्षी दलों की यह मांग सरकार ने मान ली थी।

जाहिर है, सांसद दशकों से हो–हंगामे का इस्तेमाल अपने विशेषाधिकार के रूप में करते रहे हैं। संसद की पत्रकार–दीर्घा में जब मैं बैठा करती थी, तब हम पत्रकारों में सत्र के शुरू होने से पहले उसके हंगामेदार होने को लेकर खासा चर्चा होती थी। हमें अंदाज होता था कि किस मुद्दे पर हंगामे के साथ सत्र शुरू होने वाला है? मगर तब यह भी पता होता था कि एक–दो दिन के बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा और संसद सुचारू रूप से चल पड़ेगी। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में जब प्रमोद महाजन संसदीय कार्य मंत्री थे, तब एक बार उनको विपक्षी दलों के नेताओं से यह कहते भी सुना गया था कि आपने विरोध किया, इसकी सुनवाई हो गई, आपके संसदीय क्षेत्रों तक बात चली गई, आइए, अब हम मिलकर बात कर लेते हैं। आखिर अब आपको चाहिए क्या? इस तरह के मधुर संवादों से बीच का रास्ता निकल आता था। मगर अब मुद्दों से ज्यादा आपसी कटुता की वजह से संसद में काम नहीं हो रहा। बेशक, सदन चलाने की बड़ी जिम्मेदारी सरकार की है, पर इसकी आड़ में विपक्ष अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकता। अगर ऐसे ही सदन की बैठकें हंगामों के बीच स्थगित होती रहीं, तो संसद अर्थहीन बन जाएगी।

संसद में संवादहीनता की स्थिति इसलिए पैदा हो गई है, क्योंकि सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों एक–दूसरे के खिलाफ तने हुए हैं। संवाद का रिश्ता कटुतापूर्ण तनातनी का रूप ले चुका है। लोकतंत्र के लिए यह कोई आदर्श स्थिति नहीं है। इसका नुकसान सिर्फ और सिर्फ देश को

हो रहा है। हंगामों के शोर में जनता के मुद्दे दब जा रहे हैं। जैसे, ताजा शोरगुल के बीच जिन विधेयकों को पारित किया गया है, उनमें से एक जन विश्वास बिल के बारे में कहा जा रहा है कि इसमें नकली दवा बनाने वालों के लिए जेल का प्रावधान हटा दिया गया है और बस जुर्माने की बात कही गई है। इसी तरह, 26 जुलाई को वन संरक्षण अधिनियम में संशोधन संबंधी जो बिल पारित किया गया है, उससे हिमालयी जंगल के खतरे में पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

कहने का अर्थ यह है कि तकरार पहले भी होती थी, लेकिन चूंकि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बातचीत का एक दरवाजा हमेशा खुला रहता था, इसलिए सरकार की तरफ से रास्ता निकाला जाता था, जिसे विपक्ष भी स्वीकार कर लेता था। मगर अब सब कुछ नाक की लड़ाई बन गई है। ऐसे में, रास्ता निकले तो कैसे? संसद की अपनी भूमिका है, और सड़क की राजनीति की अपनी। अगर संसद में सड़क की राजनीति की जाएगी, तो संसदीय लोकतंत्र ही गौण हो जाएगा। गठबंधन की सरकारों में कभी–कभी क्षेत्रीय पार्टियां जान–बूझकर भी हंगामा करती रही हैं। यह रणनीति के तहत होता है। ऐसे दलों को अगर अपने मुख्यमंत्री को संदेश देना हो, तो उनके सांसद सदन में हंगामा करते हैं। कभी–कभी सत्तारूढ़ दल के हित में भी हंगामे किए जाते हैं, ताकि सरकार विपक्ष के असहज करने वाले सवालों से बच सके। मगर इस तरह के हंगामों की भी एक सीमा–रेखा होती थी, जिसके पार जाने से सांसद बचा करते थे। अब तो सांसदों के लिए आत्म–चिंतन जैसे शब्द बेमानी हो गए हैं। वे मानो हर अनुशासन से परे जा चुके हैं। यहां तक कि लोकसभा अध्यक्ष को कहना पड़ रहा है कि जब तक सदन सामान्य नहीं हो जाता, वह संचालन नहीं करेंगे। इसमें दो राय नहीं कि सरकार सदन के प्रति कहीं ज्यादा उत्तरदायी होती है। उसे संसद में सिर्फ कानून नहीं बनाना होता, बल्कि सदन के माध्यम से देश को जवाब भी देना होता है। मगर विपक्ष की भी इसमें पूरी जिम्मेदारी होती है। बेशक मणिपुर का मसला काफी गंभीर है, और वहां के जैसे वीडियो वायरल हुए हैं, वे काफी संवेदनशीलता की मांग करते हैं। इसके लिए विपक्ष ने उचित ही मौजूदा सत्र के पहले दिन बहस की मांग की थी। नियम 176 बनाम 267 को लेकर खासा गतिरोध पैदा हुआ। नियम 176 के तहत कम समय के लिए, संभवतरू ढाई घंटे बहस का प्रावधान है, जबकि विपक्ष नियम 267 पर अड़ा था, ताकि सभी मुद्दों को निलंबित कर मणिपुर पर व्यापक चर्चा हो और प्रधानमंत्री जवाब दें। मगर अब जब अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया है, जिसमें मणिपुर की चर्चा विपक्ष कर सकता है और अंत में प्रधानमंत्री को जवाब देना है, तब भी गतिरोध बनाए रखना समझ से परे है। इन सबसे आखिर निकलेगा क्या? जिसकी आवाज उठाने का दावा विपक्ष कर रहा है, वह सुनी ही नहीं जा रही! इसका यह अर्थ नहीं है कि सत्ता पक्ष निर्दोष है। किसी सरकार के प्रति यदि संसद में अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है, तो बाकी तमाम मुद्दे गौण हो जाते हैं और प्राथमिकता सत्ता पक्ष द्वारा सदन का विश्वास हासिल करना हो जाता है। मगर इस बार तो अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए आठ–दस दिनों बाद का समय मिला।

पहले भारतीय छात्रों की समस्याओं का हल निकालें

ललित गर्ग

आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जेएनयू, बीएचयू जैसे विश्वविद्यालयों में भले ही फीस कुछ कम है, लेकिन यहां तक पहुंचने की प्रक्रिया बहुत जटिल एवं प्रतिस्पर्धापूर्ण है। आजकल की शासन व्यवस्थाएं लोक कल्याणकारी एवं संवेदनशील न होकर आर्थिक एवं राजनीतिक प्रेरित होती जा रही हैं। शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूल जरूरतों के लिये भी सरकारों का नजरिया अर्थ–प्रदान होता रहा है। स्वास्थ्य और शिक्षा के निजीकरण की हमें भारी कीमत चुकानी पड़ी है। विडम्बना देखिये कि देश के बच्चों को समुचित शिक्षा उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं और विदेशी बच्चों को उन्नत शिक्षा देने के लिये व्यापक प्रयत्न किये जा रहे हैं। विदेशी छात्रों के लिए सरकार ने एक नए पोर्टल 'स्टडी इन इंडिया' को लॉन्च किया है। इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय छात्र–छात्राओं को देश के शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस पोर्टल की शुरुआत करते हुए इसे देश को शिक्षा के क्षेत्र में ब्रांड इंडिया की एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति स्थापित करने का माध्यम बताया है। निश्चित ही यह भारत की समृद्धि एवं विश्व प्रतिष्ठा की दृष्टि से एक अनूठा उपक्रम हो सकता है, लेकिन प्रश्न भारतीय छात्रों का है, उनकी शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का है। महंगी होती शिक्षा आम जनजीवन से दूर होती जा रही है, ऐसे में भारतीय छात्रों की सुध कौन लेगा?

'स्टडी इन इंडिया' राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 द्वारा निर्देशित है। यह भारत को पसंदीदा शिक्षा गंतव्य बनाने के साथ–साथ समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लेकिन उच्च शिक्षा के वंचित भारतीय छात्रों के लिये यह किस तरह हितकारी एवं उपयोगी है? 'स्टडी इन इंडिया' वेबसाइट पर ग्रेजुएशन (यूजी), पोस्टग्रेजुएशन (पीजी), डॉक्टरेट लेवल के कार्यक्रमों के साथ–साथ योग, आयुर्वेद, शास्त्रीय कला सहित अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी देगा। इसमें शैक्षणिक सुविधाओं, रिसर्च हेल्प से संबंधित जानकारी के बारे में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन यह सब विदेशी छात्रों के लिये होगा। देश में शिक्षा के स्तर के सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बीच इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि दुनिया के शीर्ष सौ उच्च शिक्षण संस्थानों में भारत से एक भी नाम नहीं है। आज भी सक्षम परिवारों की उच्च शिक्षा के लिए पहली पसंद विदेश के शिक्षण संस्थान बने हुए हैं। फिर किस तरह हम विदेशी छात्रों को आकर्षित करेंगे, अगर आकर्षित कर भी लिया तो क्या वह भारतीय छात्रों के साथ नाइंसाफी नहीं होगी? संसाधनों की कमी और बेहतर शिक्षकों के अभाव से जूझ रही भारत की उच्च शिक्षा 'स्टडी इन इंडिया' से क्या हासिल कर लेगी, एक बड़ा सवाल है।

शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना देने एवं निजी हाथों में सौंप देने से ही दोनों महंगी हुई है, आम आदमी तक उसकी पहुंच जटिल होती गयी है। इस बात पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने चिन्ता जताते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरत है पर दोनों ही महंगी और दुर्लभ हो रही हैं। इसकी वजह जनसंख्या के मुताबिक उपलब्धता की कमी और व्यावसायिकता है।' जब हम देश के लोगों को ही समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं तो विदेशों के लिये दरवाजें खोलना एवं उन पर सरकार की बड़ी शक्ति का खर्च होना कैसे औचित्यपूर्ण हो सकता है? एक ऐसे देश में जहां वंचित समूह पहले से ही अपनी भावी पीढ़ी को शिक्षित बनाने के लिए कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजर रहा हो, निजी स्कूलों व अस्पतालों की संवेदनहीनता एवं अर्थ लोलुपता से सामाजिक असंतोष एवं विद्रोह के स्वर उभरते रहे हैं। ऐसे हालातों में विदेशी छात्रों को उन्नत शिक्षा देने के अभियान में जुटना सरकार की मंशा पर एक सवालिया निशान है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम 2020 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखते थे। 14 अगस्त 2004 को भारत की आजादी के 57वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने भाषण में शिक्षा पर जोर देते हुए कहा था कि 'भारत अगले 16 वर्षों में विकसित राष्ट्र बनने की प्रक्रिया में है और शिक्षा के बिना यह संभव नहीं है। समृद्धि और विकास के लिए शिक्षा सबसे जरूरी तत्व है। शैक्षिक सुविधाओं तक हर व्यक्ति की पहुंच अत्यंत आवश्यक है। गांवों और गरीब परिवार के लिए शिक्षा आसानी से उपलब्ध नहीं है। भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद का छह–सात प्रतिशत तक शिक्षा पर खर्च करना चाहिए।' सरकारें शिक्षा पर खर्च तो कर रही है, लेकिन उसका लाभ गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों को कितना मिलता है, यह मंथन का विषय है। शिक्षा पर लंबे–लंबे भाषण देने वाले राजनेता, शिक्षाविद, अधिकारी और मंत्री भी देश की इन स्थितियों से परिचित हैं। बसों में मूंगफली बेचते हुए, स्टेशनों पर भीख मांगते हुए, चौराहों पर भुट्टा भूजते हुए, फैक्ट्रियों में बिसलरी की बोतलों में पानी भरते हुए, सड़क के किनारे टाट पर सब्जी बेचते या चाट का ठेला लगाते हुए इन बच्चों को कौन नहीं देखता है। ऐसा इन्हें क्यों करना पड़ता है? यह जानने की कोशिश कितने लोग करते हैं?

कैंसर की प्राथमिक जांच एवं प्रशिक्षण शिविर में 142 मरीजों में कैंसर संबंधित लक्षण की जांच कर किया गया जागरूक

संवाददाता

सिद्धार्थनगर। भारत में लोगों में कैंसर तेजी से बढ़ रहा है। इसके प्रबंधन और उपचार के लिए शुरुआती पहचान जरूरी है। अज्ञानता, भय और सामाजिक कलंक के कारण कई लोगों को स्टेज ए या ए कैंसर हो जाता है जिसके लिए सर्जरी और व्यापक उपचार की आवश्यकता होती है। यदि जल्दी पता चल जाता है, तो ज्यादातर मामलों में कम आक्रामक उपचार और ठीक होने की बेहतर संभावना रहती है, इसीलिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लोटन के प्रांगण में 4 अगस्त 2023 दिन शुक्रवार को सुबह दस बजे से शाम तीन बजे तक हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल एवं शोध संस्थान, गीता वाटिका, गोरखपुर द्वारा निशुल्क कैंसर की प्राथमिक जांच एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आए 142 मरीजों में कैंसर संबंधित लक्षण की जांच की गई तथा उनको निशुल्क दवा दी गई। इस शिविर में कैंसर रोग अस्पताल के डॉ. आशुतोष त्रिपाठी द्वारा लोगों का मुल्यांकन, सलाह और परामर्श दिया गया। सबसे ज्यादा होने वाले कैंसर के लक्षण की जांच में मुंह एवं गले की समस्या से ग्रसित थे, जबकि कुछ लोग गर्भाशय, अंडाशय, स्तन, सीने एवं पेट की दर्द की समस्या के बारे में बताई जिसका उचित निवारण किया गया। बता दें कैंसर जागरूकता अभियान के तहत इस स्वास्थ्य केंद्र से संबंधित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को बुलाकर उनको कैंसर लक्षण का प्रशिक्षण तथा इलाज के बारे में जानकारी दी गई। इन्हें बताया गया कि इन शिविरों की विशिष्टता केवल स्क्रीनिंग नहीं है, बल्कि सामान्य अच्छे स्वास्थ्य चाहने वाले व्यवहार, पोषण, गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर, भारत में कैंसर के बारे में जागरूकता में सुधार करना है। सभी लोगो को कैंसर से संबंधित पत्रक, विवरण पुस्तिका आदि वितरित किया गया ताकि वे लोगो को कैंसर के बारे मे जागरुक कर सकें की बचाव ही कैंसर का सबसे अच्छा ईलाज है। इसके साथ ही कैंसर के लक्षण के शक होने पर एक कैंसर के चिकित्सक को जरुर दिखाएं।

सत्यमेव जयते-सत्य परेशान तो हो सकता है किन्तु पराजित नहीं : प्रमोद तिवारी

संवाददाता, लखनऊ। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी की बढ़ती हुई लोकप्रियता को देखते हुये भारतीय जनता पार्टी द्वारा जो घिनौनी साजिश रची गयी थी वह पूरी तरह नेस्तनाबूत हो गयी है, और राहुल गांधी एक गरजती हुई सिंह गर्जना लोक सभा में भारतीय जनता पार्टी के हर भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए फिर से गूंजेगी जो मोदी सरकार को फिर रास नहीं आएगी। उक्त बातें प्रमोद तिवारी, सांसद, उप नेता प्रतिपक्ष राज्य सभा, एवं सदस्य, केन्द्रीय कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी ने कहा है। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी की जो आवाज लोक सभा में गजरती थी उसे खामोश करने की कोशिश भारतीय जनता पार्टी द्वारा की गयी, परन्तु सर्वोच्च न्यायालय ने जिस तरह दोनों न्यायालयों के गलत तथ्यों पर आधारित दी गयी सजा व सजा की बहाली के आदेश पर रोक लगायी है वह इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा और एक नजीर बनेगा। श्री तिवारी ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पराजय की शुरुआत हो गयी है और इण्डिया के जीत का सिलसिला शुरू हो गया है, जिस तरह कर्नाटक के एक प्रकरण पर भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक द्वारा गुजरात में केस फाइल किया गया और गलत तथ्यों पर फैसला लिया गया भारतीय जनता पार्टी की वह साजिश बेनकाब हो गयी है।

उन्होंने कहा कि जब से इतिहास बना है और सेक्शन–500 लागू हुआ है, तब से सैकड़ों साल बाद इस दफा के मुकदमें में अधिकतम सजा दो साल करायी गयी है ताकि राहुल गांधी सांसद न रह सकें, यदि एक भी सजा कम होती तो उनकी संसद सदस्यता नहीं जाती। श्री तिवारी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की साजिश अब देश की जनता के सामने बेनकाब हो गयी है और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में देश की जनता भारतीय जनता पार्टी को इसकी सजा जरूर देगी तथा इण्डिया की जीत होगी।

सर्पदंश सुरक्षा सप्ताह का स्कूलों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर किया जायेगा आयोजन

संवाददाता, आगरा। वर्तमान में मानसून के कारण गत दिनों में कतिपय जनपदों में अत्यधिक वर्षा हो रही है। इसके अतिरिक्त भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र द्वारा आगामी कुछ दिनों के लिए विभिन्न जनपदों में भारी वर्षा के सम्बन्ध में हाई अलर्ट जारी किया गया है। इस मौसम में जल जनित बीमारियों के साथ–साथ सर्पदश की घटनाओं में भी हमेशा वृद्धि हो जाती है। उक्त जानकारी से अपर जिलाधिकारी (वि0 व रा0) ने अवगत कराया है। अपर जिलाधिकारी (वि0 व रा0) यशवर्धन श्रीवास्तव ने आगे यह भी अवगत कराया है कि सर्पदंश से बचाव के उपाय, सर्पदश की स्थिति में क्या करें, क्या न करें, सर्पदंश से होने वाली जनहानि को रोकने के लिए प्रत्येक चिकित्सा केन्द्र में पर्याप्त मात्रा में एंटी स्नेक व अन्य दवाओं को उपलब्ध कराने के शासन द्वारा निर्देश दिये गये हैं। तत्कम में सर्पदंश से बचाव सम्बन्धी आई0ई0सी0 मैटीरियल राहत आयुक्त कार्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। वहीं अपर जिलाधिकारी (वि0 व रा0) ने जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला पंचायतराज अधिकारी को सर्पदंश सुरक्षा सप्ताह का स्कूलों एवं ग्राम पंचायतों स्तर पर आयोजित कराये जाने हेतु निर्देशित किया है।

नशे में धुत तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से दो नाबालिक सगी बहनें गम्भीर रूप से घायल

संवाददाता

खड्डा, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के मुख्य पश्चिमी गण्डक नहर पटरी पर चतुर छपरा गांव के पास गुरुवार की शाम लगभग 8.30 बजे के आसपास नशे में धुत तेज रफ्तार बाइक सवार की चपेट में आने से दो नाबालिक सगी बहनें गम्भीर रूप से घायल हो गई। दुर्घटना में बाइक सवार भी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव पास होने के कारण दुर्घटना स्थल पर तुरंत ही काफी भीड़ जुट गई। वहीं मौके पर पहुंची खड्डा पुलिस ने एम्बुलेंस से तीनों घायलों को तुर्कहां सीएचसी इलाज के लिए भर्ती कराया जहां डाक्टर ने तराना उर्फ अमिना को मृत्यु घोषित कर दिया। बताते चलें मुख्य पश्चिमी गण्डक नहर सड़क पर थाना क्षेत्र के विशुनपुरा बुजुर्ग निवासी लक्ष्मन पुत्र प्रभंस 30 वर्ष एकडगी रेगुलेटर की तरफ से नशे में धुत तेज रफ्तार से घर लौट रहा था कि चतुर छपरा गांव निवासी कलाम की बेटी अंजुम आरा 12 साल पुत्री कलाम व उसकी सगी बहन अमीना 9 वर्ष घर से थोड़ी दूर नित्य क्रिया के लिए गई हुई थी और वापस लौट रही थी कि बाइक से तेज ठोकर लगने से तीनों गम्भीर रूप से घायल हो गए, शोर सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस के सहयोग से तीनों घायलों को तुर्कहां सीएचसी भेजवाया जहां डाक्टर ने अमीना को मृत्यु घोषित कर दिया तथा अंजुम आरा का प्राथमिक उपचार चल रहा है जो खतरे से बाहर है। वहीं मोटरसाइकिल चालक लक्ष्मन की गंभीर स्थिति देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। घटना से बच्चियों के परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

राज्यपाल ने लोहिया संस्थान मे आयोजित सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में हुई शामिल

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष आनंदीबेन पटेल द्वारा डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ में सर्वाइकल कैंसर के रोकथाम के प्रति जागरूकता तथा एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल हुई। राज्यपाल ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की शिक्षिकाओं को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम तथा एचपीवी टीकाकरण संबंधी जागरूकता पोस्टर व छात्राओं को इस संदर्भ में जागरूकता पुस्तिका व पोषण आहार का वितरण किया। उत्तर प्रदेश में महिला कैंसर देखभाल की गुणवत्ता व स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने हेतु जॉन्स हॉपकिन्स प्रोग्राम फार इंटरनेशनल एजुकेशन इन गायनेकोलॉजी एण्ड आब्सटेट्रिक्स कार्पोरेशन इण्डिया तथा डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के बीच समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं की उपस्थिति पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें सशक्त बनने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बेटियों के खान पान का ध्यान रखा जाना आवश्यक है, क्योंकि वे आने वाले समय में मां बनेगी। उन्हें पौष्टिक भोजन दिया जाना चाहिए। राज्यपाल जी ने कहा कि जीवन की छोटी उम्र से ही सीखना–सिखाना, पढ़ना–पढ़ाना एक दूसरे का सहयोग करना, परिवार में सामंजस्य जैसे गुणों का अर्जन आवश्यक है। विद्यालय में विभिन्न स्पर्धात्मक कार्यक्रम यथा पेंटिंग, भाषण व अन्य रचनात्मक कार्यों के आयोजन द्वारा सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन की दिशा में प्रयास किए जाएं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राज्यपाल द्वारा सर्वाइकल कैंसर व टीकाकरण के संदर्भ में किये गए प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद किया। इस अवसर पर माननीय राज्यमंत्री संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा मातृ एवं की शिक्षिकाएं व छात्राएं मौजूद रहे।

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न रोकने के लिए समस्त कार्यालयों में आन्तरिक शिकायत समिति का गठन होना अति आवश्यक : विनय कुमार

संवाददाता, कुशीनगर। कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीडन (निवारण प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 की धारा 4 के अन्तर्गत दिये गये प्रावधानों के अनुसार महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन रोकने के लिए आन्तरिक शिकायत समिति का गठन ऐसे प्रत्येक शासकिय अशासकिय एवं अर्द्धशासकिय कार्यालयों, निगमों संस्थाया, निकायों, उपक्रमों, शाखा, परिषदों व बोर्ड इत्यादि में कराना अनिवार्य है। उक्त जानकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार ने बताया।

उक्त के सम्बन्ध में जिलाधिकारी के तरफ से कई बार समस्त कार्यालयाध्यक्षों को आन्तरिक शिकायत समिति गठन हेतु पत्र जारी किया गया है। इसके पश्चात भी कई विभागों व कार्यालयों में अभी तक समिति का गठन नहीं किया गया है जबकि शासन के निर्देशानुसार जहाँ कार्मिकों की सं० दस से अधिक है, ऐसे सभी कार्यालयों के नियोजकों द्वारा आन्तरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। वहीं जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि व्यथित महिला कार्यस्थल पर हुये लैंगिक उत्पीडन से सम्बन्धित शिकायत आन्तरिक परिवाद समिति में दर्ज करा सकती हैं, समिति का गठन उस कार्यस्थल पर वरिष्ठ स्तर पर नियाजित महिला के अध्यक्षता में होगा, जिसमें दो सदस्य सम्बन्धित कार्यालय से एवं एक सदस्य गैर सरकारी संगठन से नियोजक द्वारा नामित किये जायेगे, समिति के कुल सदस्यों में से आधी सदस्य महिलाये होगी। इसके अतिरिक्त ऐस कार्यस्थल जहाँ कर्मिकों की सं० दस से कम है वहां के व्यथित महिला इस प्रकार के लैंगिक उत्पीडन के शिकायत प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी द्वारा गठित स्थानीय समिति में दर्ज करा सकती है, इसके अतिरिक्त व्यथित महिला ऑनलाइन पोर्टल सी बाक्स पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। यदि कोई नियोजक अपने कार्यस्थल में नियमानुसार आन्तरिक समिति का गठन न किये जाने पर सिद्ध दोष ठहराया जाता है तो नियोजक पर सं0 50,000 रुपए का अर्थदण्ड अधिरोपित किये जाने का प्रावधान है तथा नियोजक दूसरी बार सिद्ध दोष ठहराये जाने पर पहली दोष सिद्ध पर अधिरोपित दण्ड का दुगने दण्ड का उत्तरदायी होगा।

माटीकला के कामगारों व शिल्पकारों को मिलेगा पुरस्कार

संवाददाता

कुशीनगर। उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा जनपद में कार्यरत माटीकला के कारीगरों व शिल्पकारों जिनके द्वारा अच्छे क्वालिटी के उत्पादों को तैयार कर बिक्री किया जा रहा, उनके उत्साह वर्धन हेतु मण्डल स्तर पर पुरस्कृत किये जाने का निर्णय लिया गया है। उक्त जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने दिया।

यदि कोई शिल्पकार व कामगार पूर्व में योजनान्तर्गत पुरस्कार प्राप्त किया होगा तो वह योजना का पात्र नहीं होगा।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ

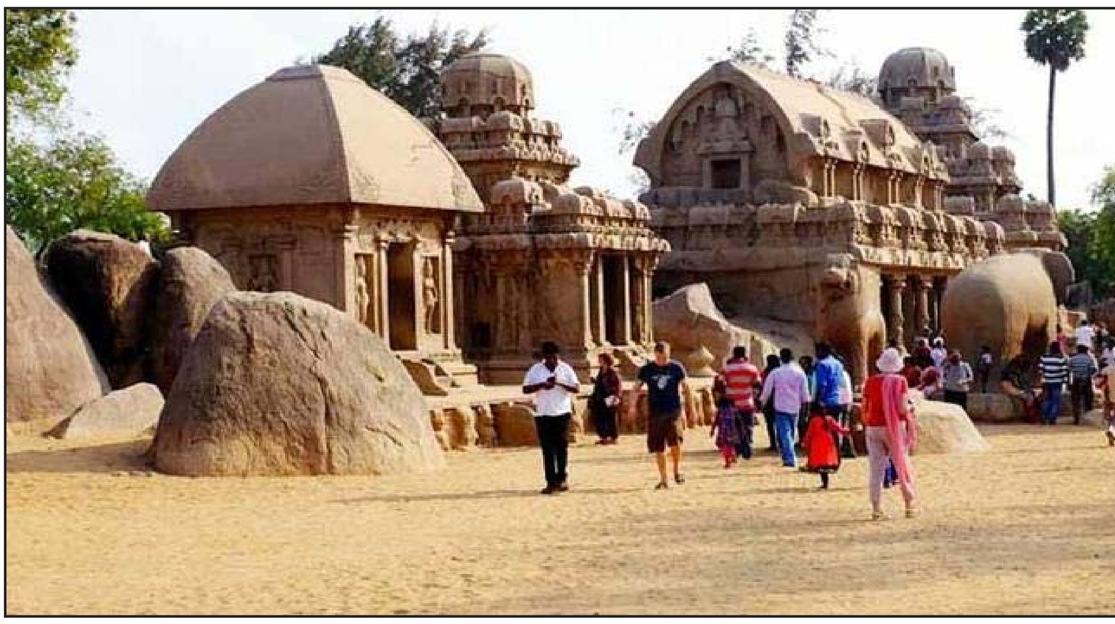

तमिलनाडु में स्थित मामल्पुरम (जिसे महाबलीपुरम भी कहा जाता है) एक बहुत ही सुंदर समुद्रतट है और साथ ही दक्षिण भारत के स्वर्णिम इतिहास का जीताजागता प्रमाण भी। इसे पल्लव राजवंश के राजा महेन्द्र बर्मन ने 7वीं सदी में बनवाया था। यहां की शिल्पकला अत्यंत सुंदर है और दर्शकों का मन मोह लेती है। पंचरथ यहां का खूबसूरत स्थल है। ये एक ही पत्थर से बने हुए मंदिर हैं जिन्हें पांच पांडवों का नाम दिया गया है। ये रथ के आकार में बनाए गए हैं। ये मंदिर दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिरों की एक झांकी प्रस्तुत करते हैं। पल्लव कला का आखिरी नमूना है शोर टेंपल। यह 7वीं सदी में राजसिम्ह नामक राजा ने बनवाया था। इस मंदिर की विशेषता है भगवान शिव और विष्णु के लिए बनाए गए तीर्थस्थान। यह धर्मराज रथ को देख कर बनाया गया है। बास रिलीफ व्हेल मछली के आकार की विश्व की सबसे बड़ी चट्टान मानी जाती है। इसके एक तरफ देवी. देवताओं की मूर्तियां तथा दूसरी ओर विभिन्न जानवरों की मूर्तियां उकेरी गई हैं। इसकी शिल्पकला देखने लायक है। महिषासुरमर्दिनी की गुफा और मंडप की गुफाओं में महिषासुर का वध करते हुए मां दुर्गा की एक मूर्ति है और दूसरी गुफा में सांप पर लेटे हुए भगवान विष्णु की मूर्ति है। यहां आठ मंडप भी हैं जिनकी कला अवर्णनीय है।

महाबलीपुरम से लगभग 53 किलोमीटर दूर स्थित वेदंगंतल नामक स्थल पक्षी अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है। यहां नवंबर से फरवरी तक पक्षी आते हैं। आप क्रोकोडाइल बैंक भी देखने जा सकते हैं। यहां विभिन्न प्रजातियों के करीब पांच हजार मगरमच्छ रहते हैं। यह सुबह 8.30 से शाम 5.30 तक खुला रहता है। मुथकडु कोवलम के उत्तर में स्थित है। यह स्थल बोटिंग और वाटर स्पोर्टस के लिए बनाया गया है। यहां पर्यटकों को बोटिंग का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। यहां शंख, सीपियों और पत्थर का बना सामान प्रसिद्ध है। महाबलीपुरम जाना चाहें तो याद रखें कि अक्टूबर से जनवरी तक का समय यहां आने के लिए उपयुक्त है। मई से जुलाई तक तो यहां बहुत अधिक गर्मी पड़ती है और तापमान 42 डिग्री सेंटीग्रेड तक जा पहुंचता है। महाबलीपुरम तक आने के लिए आपको चेन्नई से बस और टैक्सियां भी आसानी से उपलब्ध हो जाएंगी और दक्षिण भारत के सभी शहरों से यहां तक बस सेवा भी उपलब्ध है। महाबलीपुरम में ठहरने की भी उचित व्यवस्था है। यहां निजी होटलों के अलावा सरकारी गेस्ट हाउस और लॉज इत्यादि भी हैं जहां आसानी से उचित मूल्य में आपके ठहरने की व्यवस्था हो सकती है। ठहरने की व्यवस्था यहां मौजूद दलालों की मदद लिए बगैर यदि स्वयं ही करें तो ठीक रहेगा। आप चाहें तो होटल में अपने ठहरने की व्यवस्था पहले से ही बुकिंग कर भी करवा सकते हैं।

कई गुणों से भरपूर खजूर को सिर्फ मेवा नहीं समझिये हुजूर

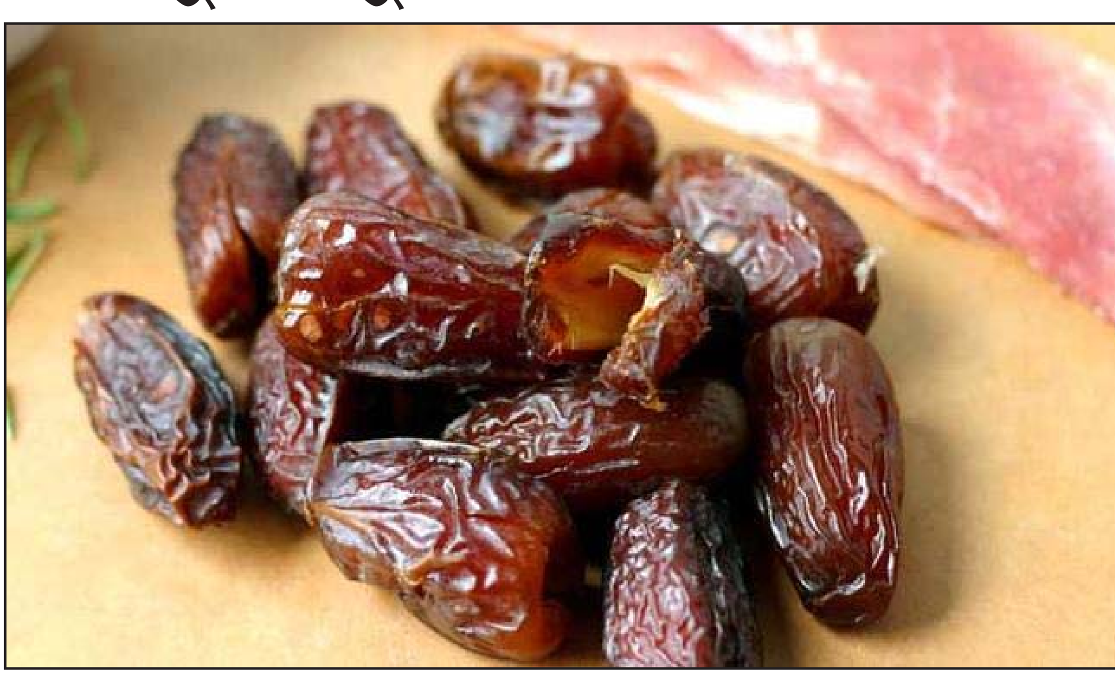

'खजूर' नाम सुनते ही मुंह में मिठास घुल जाती है। इराक, इटली, चीन, अलजीरिया, अमेरिका और अरब में खजूर की भरपूर उपज होती है। हमारे देश में पंजाब और सिंध में इसकी खेती की जाती है। नारिकेल जाति के इस फल का वृक्ष 30 से 50 फुट ऊंचा होता है। स्वादिष्ट होने के अलावा खजूर शीतल, स्निग्ध, पित्त तथा कफ नाशक होता है। खजूर तीन प्रकार के होते हैं. खजूर, पिंड खजूर तथा गोस्तन खजूर (छुहारा) दरअसल खजूर सूखने पर छुहारा कहलाता है। खजूर एक प्रकार का सस्ता मेवा भी है, इस कारण उसे गरीबों का पाक भी कहते हैं। वैज्ञानिक मतानुसार खजूर में 5 प्रतिशत प्रोटीन, 3 प्रतिशत वसा तथा शर्करा 67 प्रतिशत होते हैं। साथ ही इसमें अल्प मात्रा में कैलशियम, लोहा तथा विटामिन ए, बी और सी भी पाए जाते हैं। पूरी तरह से पके हुए खजूर में शर्करा की मात्रा 85 प्रतिशत तक हो जाती है। प्रति 100 ग्राम खजूर के सेवन से 283 कैलोरी ऊर्जा मिलती है। आयुर्वेद के अनुसार, खजूर पौष्टिक, मधुर, हृदय को बल देने वाला, क्षय, रक्त तथा पित्त शोध नाशक होता है, इसके अलावा यह फेफड़े के रोगों को दूर करने वाला मस्तिष्क शामक, नाड़ी बलदायक, वातहर, मानसिक दुर्बलता, कटिशूल, सायटिका तथा मदिरा के विकारों को दूर करता है। दमा, खांसी, बुखार तथा मूत्र संबंधी रोगों में भी खजूर का प्रयोग गुणकारी होता है। यूनानी चिकित्सा में खजूर को उष्ण तथा तर प्रकृति का माना गया है। यूनानी मत के अनुसार यह थकावट दूर करने वाला, शरीर को पुष्ट करने वाला तथा गुर्दों की शक्ति बढ़ाने वाला होता है। पक्षाघात के उपचार में भी इसका प्रयोग किया जाता है। विभिन्न रोगों के उपचार में खजूर का प्रयोग किया जाता है जैसे सर्दी–जुकाम होने पर खजूर को एक गिलास दूध में उबाल कर खा लें फिर ऊपर से वही दूध पीकर मुंह ढककर सो जाएं। खजूर की गुठली को पानी में घिसकर लेप बनाकर माथे पर लगाने से सिरदर्द दूर होता है। दमे के कष्ट से राहत पाने के लिए खजूर के चूर्ण को सोंठ के चूर्ण के साथ बराबर मात्रा में मिलाकर पान में रखकर दिन में लगभग तीन बार खाएं। जिन्हें बार.बार पेशाब आने की शिकायत हो उन्हें दिन में 2 बार दो.दो छुहारे तथा सोते समय दो छुहारे दूध के साथ खाने चाहिएं। जो बच्चे बिस्तर गीला करते हों उनके लिए भी ऐसा ही प्रयोग करें। बच्चों में सूखा रोग होने पर खजूर और शहद की बराबर मात्रा दिन में दो बार नियमित रूप से कुछ हफ्तों तक खिलाएं। छोटे.मोटे घाव होने पर खजूर की जली गुठली का चूर्ण लगाएं। नींबू के रस में खजूर की चटनी बनाकर खाने से भोजन के प्रति अरूचि मिटती है।

शहद के साथ खजूर के चूर्ण का तीन बार सेवन रक्त पित्त की अवस्था में लाभदायक होता है। अतिसार रोग में दही के साथ खजूर के चूर्ण का उपयोग लाभदायक होता है। बवासीर होने की अवस्था में खजूर गर्म पानी के साथ सोते समय लें। कब्ज के लिए भी यही प्रयोग अपनाएं। एक कप दूध में दो छुहारे उबालकर खाना बलवर्धक होता है। ऊपर से वही दूध पी भी लेना चाहिए। सर्दियों में यह प्रयोग ज्यादा लाभ देता है। यों तो सर्दियों में खजूर का सेवन सबसे ठीक रहता है फिर भी गर्मियों में सूखे खजूरों को भिगोकर खाया जा सकता है। जिस पानी में ये भिगोए गए हों उसे पेय के रूप में लेना उत्तम होता है। भीगा खजूर गर्मी नहीं करता उसे गाय के कच्चे दूध के साथ लिया जा सकता है। परन्तु ध्यान रखें कि इस दूध का सेवन भोजन के साथ न करें अन्यथा अभीष्ट लाभ नहीं मिला पाता। खजूर के पेड़ के ताजे रस को नीरा तथा बासी नीरी को ताड़ी कहते हैं। नीरा बहुत पौष्टिक एवं बलवर्धक होता है। यह शारीरिक कमजोरी, दुबलापन, मूत्र की रुकावट तथा जलन दूर करने में उपयोगी होता है। इसके रस से गुड़ भी बनाया जाता है। इसका प्रयोग वात तथा पित्त शामक औषधि के रूप में किया जाता है। साथ ही यह हृदय को पुष्ट करता है तथा उससे उपजी दूसरी बीमारियों का निदान भी करता है। आजकल खजूरों को वृक्ष से अलग करने के उपरांत रासायनिक पदार्थों की मदद से सुखाया जाता है। ये रसायन हानिकारक होते हैं इसलिए बाजार के खजूरों का उपयोग करने से पहले उन्हें अच्छी तरह धो लेना चाहिए। धोने के बाद उन्हें सुखाकर विभिन्न प्रकार से उनका प्रयोग किया जा सकता है।

दुनिया भर में मधुमक्खियों की हैं २०००० से भी अधिक प्रजातियां

मधुमक्खियां कीट वर्ग की प्राणी हैं जिनके बारे में बहुत सी बातें हम जानते हैं। जैसा कि इनके नाम से ही पता चलता है, ये मधु यानि शहद बनाती हैं। मधुमक्खियां एक साथ मिलकर संघ के रूप में अपने बनाए छत्ते में रहती हैं जिसके अंदर ही इनका बनाया शहद इक्ट्ठा रहता है। इनका बनाया शहद बहुत ही सेहतमंद होता है। मधुमक्खियों के छत्ते से शहद तब ही निकाला जा सकता है जब ये छत्ते के अंदर न हों। इनके छत्ते के अंदर रहते हुए छत्ते को छेड़ना बहुत खतरनाक होता है। इनका हमला जान तक ले लेता है। हजारों सालों से मधुमक्खियां हमारे आस–पास रह रही हैं। दुनिया भर में इनकी 20000 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं जिनमें से सिर्फ 4 प्रजातियां ही शहद बनाती हैं। ये मधुमक्खियां अपनी आवश्यकता से लगभग 40–50 किलो ज्यादा शहद पैदा करती हैं। इनकी एक और विशेषता आश्चर्य चकित कर देने वाली है वह है रास्तों को पहचानने की इनकी योग्यता। फूलों से परागणकण एकत्र करने के लिए मधुमक्खियां लंबी दूरी तक जाकर भी बिना रास्ता भटके रास्तों की पहचान करती वापस अपने छत्ते में आ जाती हैं। ये करीब 15 मील प्रति घंटे की उड़ान भरती हैं। इनका जीवनकाल 5 साल का होता है। मधुमक्खियों की पांच आंखें होती हैं, दो बड़ी या संयुक्त आंखें तथा इनके बीच माथे के ऊपर त्रिकोणीय पैटर्न में बनी तीन सामान्य आंखें। इनकी बड़ी आंखें हजारों छोटे लेंसों से बनी होती हैं, हर लेंस किसी दृश्य का एक छोटा सा हिस्सा ही देख पाता है और सभी लेंस मिलकर पूरी तस्वीर देख लेते हैं। मधुमक्खियां हर दिशा में देख सकती हैं किन्तु अपनी आंखों में किसी भी चीज की एक स्पष्ट छवि नहीं बना पातीं। ये अल्ट्रावायलेट किरणों को देख सकती हैं, जिन्हें हम इंसान नहीं देख सकते।

मतदेय स्थलों के संभाजन के संबंध में, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एडीएम ने किया बैठक

संवाददाता

आगरा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों के संभाजन के संबंध में अपर जिलाधिकारी(वि0 व रा0) की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों साथ संपन्न हुई बैठक में उपस्थित सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदेय स्थलों के संभाजन के संबंध में आयोग द्वारा निर्गत कार्यक्रम से अवगत कराया गया।

अपर जिलाधिकारी यशवर्धन श्रीवास्तव ने बताया कि निर्गत कार्यक्रम के अनुसार जनपद के समस्त मतदान केंद्रों व मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन कराया गया है। सत्यापन के उपरांत एत्मादपुर, खेरागढ़, फतेहाबाद 01– 01मतदान केन्द्र घटा है तथा बाह व आगरा उत्तर विधान सभा में 01–01 मतदान केन्द्र में वृद्धि हुई है।उक्त संशोधन प्रस्ताव में यदि कोई संशोधन अपेक्षित हो तो दिनांक 06.08.2023 तक सम्बन्धित उप जिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम, द्वितीय, तृतीय व तहसीलदार को उपलब्ध कराते हुए जिला निर्वाचन कार्यालय, आगरा को भेजने का कष्ट करें। इनके अतिरिक्त भी यदि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के किसी भी मतदान केन्द्र में लोकसभा सामान्य निर्वाचन हेतु कोई समस्या हो तो भी उनके परिवर्तन हेतु अपने सुझाव उपरोक्तानुसार दे सकते हैं। वहीं निधारित कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 08. 08.2023 को मतदेय स्थलों की सूची का आलेख्य प्रकाशन कराया जायेगा, इसकी प्रति भी तत्समय इस आशय से उपलब्ध करायी जायेगी कि आलेख्य सूची का भलिभांति अध्ययन कर 12 अगस्त 2023 तक सम्बन्धित उप जिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम, द्वितीय, तृतीय व तहसीलदार को अपने–अपने सुझाव उपलब्ध कराते हुए उसकी एक प्रति इस कार्यालय को भी उपलब्ध करायेंगें, ताकि आयोग द्वारा निर्धारित 16.08.2023 को मतदेय स्थलों की सूची को अन्तिम रूप दिया जा सके तथा आपसे एवं सांसद व विधायकों से भी इस सम्बन्ध में विचार – विमर्श किया जा सके।

वहीं आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों के सम्माजन के संबंध में निम्नानुसार कार्यावाही की गयी है, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदेय स्थलों का सम्भाजन अधिकतम 1500 मतदाताओं के आधार पर किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है परन्तु अर्हता दिनांक 01–01–2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण,के दृष्टिगत 1300 से 1350 अधिकतम मतदाताओं की संख्या के अनुसार मतदेय स्थलों का सम्भाजन किया जाना प्रस्तावित हैं ताकि आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 में,मतदेय स्थलों के पुनः प्रस्ताव भेजने से बचा जा सके।मतदेय स्थलों का सम्माजन मतदेय स्थल भवन तथा उससे सम्बद्ध किये जाने वाले निर्देश निर्वाचक नामावली के सुसंगत भाग के शत–प्रतिशत भौतिक सत्यापन के बाद किया गया है अर्थात भवन के सत्यापन के साथ–साथ यह भी देखा गया है कि उस मतदेय स्थल की निर्वाचक नामावली में अंकित मतदाताओं का निवास उस भवन के आस–पास भौतिक रूप से हो। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के अनुसार मतदेय स्थलों का निर्धारण करने के पश्चात् मतदेय स्थलों की एक नयी सूची तैयार की जायेगी और उसका आलेख्य समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिला स्तरीय प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया जायेगा। तत्पश्चात मतदेय स्थलों की इस आलेख्य सूची पर राजनैतिक दलों, विधायकों सांसदों के साथ विचार–विमर्श हेतु 16.08.2023 को एक बैठक जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ जिला स्तर पर आयोजित करके आलेख्य सूची को अन्तिम रूप दिया जायेगा। बैठक में मतदेय स्थलों के संभाजन की कार्यवाही के अंतर्गत नए मतदेय स्थल बनाने अथवा वर्तमान मतदेय स्थलों के पुनर्गठन के दौरान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार मतदेय स्थलों को रनिंग सीरियल नम्बर दिये जायेगें। मतदेय स्थलों की नयी सूची में कोई भी आक्जिलरी (सहायक) मतदेय स्थल नहीं रखा जायेगा। विशेष परिस्थितियों में 300 से कम मतदाता वाले मतदेय स्थलों को रखा जाना अपरिहार्य हो, तो प्रस्ताव में उस मतदेय स्थल को बनाये रखे जाने के सम्बन्ध में स्पष्ट कारण का उल्लेख कर दिया जाय। शहरी क्षेत्रों में जहाँ नयी आवासीय कालोनियां गत कुछ वर्षों में बनी हैं और उसमें नागरिक निवास करने लगे हैं तो वहाँ पर यथावश्यकता नया पोलिंग स्टेशन बनाया जाए। अत्यधिक पुराने व जर्जर भवन वाले मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानान्तरित कर दिया जाए। अस्थायी निर्माण वाले मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानान्तरित कर दिया जाए। ऐसे मतदेय स्थलों को चिन्हित किया जाए, जो मुख्य गाँव व बस्ती से पर्याप्त दूरी पर हैं। उन मतदेय स्थलों को वहाँ से हटाकर मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत किसी सुविधाजनक भवन में स्थापित किया जाए। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाए कि पोलिंग स्टेशन की दूरी लगभग 02 कि०मी० से अधिक न हो।

जिन मतदेय स्थलों के भवन पुराने व जर्जर नहीं हैं तथा जहाँ मतदाताओं को 02 किमी0 से अधिक दूरी चलने की आवश्यकता नहीं है, ऐसे मतदेय स्थलों की स्थिति में परिवर्तन नहीं किया जाए। कोई मतदेय स्थल यदि अपने मतदान क्षेत्र में उपयुक्त भवन न उपलब्ध होने के कारण मतदान क्षेत्र से बाहर स्थित है और अब मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपयुक्त भवन उपलब्ध हो गया है तो ऐसे मतदेय स्थल को अपने मतदान क्षेत्र के अन्दर स्थित भवन में शिफ्ट कर दिया जाए। यदि भौतिक सत्यापन में किसी मतदेय स्थल के संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बाहर स्थित होने का मामला प्रकाश में आता है तो ऐसे पोलिंग स्टेशनों को परिवर्तित कर, विधानसभा क्षेत्र के अन्दर स्थापित किया जाए। सभी मतदेय स्थल भवनों के यथासम्भव भूतल पर होना सुनिश्चित किया जाए। दिव्यांगजनों और अशक्त मतदाताओं की सुविधा के लिये प्रत्येक मतदेय स्थल पर रैम्प की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी राजनैतिक दल या लेबर यूनियन के कार्यालय से 200 मीटर के अन्दर कोई भी मतदेय स्थल नहीं बनाया जाए। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि मतदेय स्थलों के सम्भाजन के पश्चात् मतदेय स्थलों के स्थान में अंतिम क्षणों में परिवर्तन की आवश्यकता न रह जाय। यदि कोई मतदेय स्थल निजी भवन में स्थापित है और वहां यदि शासकीय भवन उपलब्ध हो गये हैं तो उक्त मतदेय स्थलों को शासकीय भवनों में स्थानान्तरित कर दिया जाय, यदि कोई मतदेय स्थल दुकान, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, व्यक्तिगत सामुदायिक केन्द्र, विवाह घर अथवा ऐसे भवन जिनका स्वामित्व किसी राजनैतिक व्यक्ति के पास है, ऐसे मतदेय स्थलों हेतु विकल्प तलाश कर उनको स्थानान्तरित कर दिया जाय। मतदेय स्थलों के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों से प्राप्त सभी शिकायतों तथा सुझावों की सम्यक रूप से जांच की जाय तथा उन्हें उपर्युक्त उत्तर देते हुए उनका निपटान किया जाय।

गांव का समस्या गांव में समाधान के तहत ग्राम चौपाल किया आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। विशुनपुरा ब्लाक के ग्राम पंचायत माधोपुर गौजेही व लीलाधर छपरा पंचायत भवन के प्रांगण में आयोजित गांव का समस्या गांव में समधान चौपाल में सुबह 11 बजे पहुंचे भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश

रौनियार ने एक–एक लोगों से बात कर उनकी समस्या पूछकर कहा कि जनसंपर्क के दौरान ग्रामीण गांव में ही अपनी समस्या बताकर उसका समाधान करा सकते हैं। प्रधान लीलावती देवी ने मलंग चौराहे से माधोपुर गौजेही तक पीच रिपेयरिंग करने की मांग रखा गया और सत्यापन के बाद भी पेंशन का धनराशि खाते में नही आ रहा है तो ग्राम सचिवालय पर संपर्क करें। उन्होंने बताया कि बिजली आए दिन खराब होती है, बार बार फाल्ट की समस्या रहती है।इस दौरान प्रधान लीलाधर छपरा मनोज शंकर प्रसाद ने सड़क, नाली निर्माण व पानी की समस्याओं को रखा। इस दौरान लीलाधर छपरा के ग्रामीण जनता ने सम्मान निधि नहीं आने का बात कही इसी दौरान महेश मद्धेशिया प्रधान प्रतिनिधि द्वारा सरकार के तरफ से चल रही योजनाओं के बारे में विस्तार से बताने के साथ पात्रो को लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। ग्राम प्रधान द्वारा गांव में योजनाओं से वंचित लोगों को चिन्हित कराकर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने की बात अधिकारियों व जनप्रतिनिधियोंके समक्ष रखा गया।चौपाल का संचालन शैलेश शर्मा ने किया। इस दौरान बिशनपुरा तकनीकी सहायक अजय कुमार सिंह, विशुनपुरा स्वास्थ्य टीम डॉक्टर संदीप, विवेक राज, फैजल हक, स्टाफ नर्स संध्या सिंह, पायलट अशोक यादव, सचिव रामप्यारे चौधरी व विनोद यादव, रोजगार सेवक प्रेम प्रकाश सिंह, कुमारी नीलम यादव, पंचायत सहायक मनीषा गौतम, टीए महेश यादव, एनएम रानी मिश्रा सफाई कर्मी बृजमोहन राय मुनीब गौतम सुपरवाइजर, व शक्ति केंद्र संयोजक शैलेंद्र त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

नशा विरोधी जन जागरूकता कार्यक्रम कर किया जागरूक, मद्य निषेध विभाग के द्वारा पुरस्कार व प्रमाण पत्र भी किया गया वितरण

संवाददाता

आगरा। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत डॉ भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी छलेसर कैंपस में नशा विरोधी जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आगरा जनपद में किया गया। जिसमें इरफान नासिर खान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स आगरा जोन आगरा व विमल कुमार मद्य निषेध विभाग आगरा ने एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वहीं उपस्थित सभी जन समूह के लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम को एक मिशन मोड के अंतर्गत काम करने के हेतु प्रेरित किया युवा पीढ़ी को नशे लत से आजादी से संबंधित पोस्टर पेंटिंग, निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी कराया

मद्य निषेध विभाग के द्वारा पुरस्कार व प्रमाण पत्र भी वितरण हुए।

बता दें एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स उत्तर प्रदेश की आगरा जोन की यूनिट के प्रभारी डिप्टी एसपी इरफान नासिर खान द्वारा अवगत कराया गया कि जोन स्तर पर हमारी यूनिट के द्वारा जोन के 8 जनपदों सहित आगरा में अवैध मादक पदार्थों और नशीली दवाओं के कारोबार में संलिप्त अपराधियों के नेटवर्क और सप्लाई चौन को प्रभावी अंकुश लगाने व उसके फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज को ब्रेक करने और ड्रग्स माफियाओं को जड़ से खत्म करना। इस यूनिट का मुख्य कार्य है साथ हीं डिमांड कम करने के लिए जोन और जनपद स्तर पर समन्वय स्थापित करके अन्य विभागों के साथ जागरूकता कार्यक्रम भी किया जा रहा है इसमें एक युद्ध नशे के विरुद्ध तथा युवाओं में बढ़ते हुए नशे की लत से आजादी दिलाने के लिए गोष्ठी सेमिनार रैली पोस्टर पंपलेट बैनर और सोशल मीडिया व्हाट्सएप ट्विटर फेसबुक इंस्टाग्राम इत्यादि के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम किया जा रहा है। स्कूल कॉलेज नागरिक समाज और एनजीओ सोशल वर्कर नशा मुक्ति केंद्रों और संबंधित विभाग से समन्वय कर नशा मुक्त करने और नशे से दूर रहने की अपील की जा रही है।

एटीएस ऑनलाइन,ऑफलाइन माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर पुलिस रखेगी पैनी नजर

लखनऊ। अयोध्या में जनवरी 2024 में होने वाली राम लला की भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी को लेकर स्पेशल डीजी एलओ प्रशांत कुमार ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि जनवरी में रामलला की गर्भगृह में स्थापित होगी। स्थापना के कार्यक्रम के लिए अचूक सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। भविष्य में श्रद्धालुओं की संभावित संख्या को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बनाई जा रही है।अयोध्या में सुरक्षा बलों के नए उपकरण, नए बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। एटीएस ऑनलाइन, ऑफलाइन माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर नजर रखेगी। उन्होंने ज्ञानवापी को लेकर कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश पर सर्वे चल रहा है। स्थानीय स्तर पर जो सुरक्षा की मांग की गई है उसे पूरा किया गया है। कानून के खिलाफ काम करने वाले पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करा रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अगले साल 21, 22 और 23 जनवरी की तारीख तय की है।

लैपटॉप, टैबलेट्स के इंपोर्ट पर कोई रोक नहीं, सरकार ने दूर किया कंफ्यूजन

नई दिल्ली,एजेंसी। आईटी मिनिस्ट्री के सचिव ने साफ किया है कि कंपनियां और ट्रेडर्स आईटी हार्डवेयर, लैपटॉप, टैबलेट्स आदि इंपोर्ट कर सकती हैं। इ नके इंपोर्ट पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा है। इससे पहले, गुरुवार को सरकार की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया था कि लैपटॉप, टैबलेट, ऑल–इन–वन पर्सनल कंप्यूटर, अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर (यूएसएफएफ) कंप्यूटर और सर्वर के आयात पर सुरक्षा कारणों से और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने की जरूरत को देखते हुए अंकुश लगा दिया गया है। आईटी मिनिस्ट्री के सचिव ने मिंट को बताया है कि इस तरह के उत्पाद के इंपोर्ट के लिए अब

लाइसेंस की जरूरत पड़ेगी। बिना लाइसेंस के इन सामानों का इंपोर्ट नहीं किया जा सकता है। कोई भी कंपनी क्ळथ्ऽ से लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकती है। कंपनियों को लाइसेंस भी 5 मिनट में इश्यू कर दिया जाएगा। बता दें, कंपनियों का लाइसेंस एक साल के लिए वैलिड रहेगा। किसी उत्पाद के आयात को अंकुश की श्रेणी में डालने का मतलब है कि उनके आयात के लिए लाइसेंस या सरकार की अनुमति अनिवार्य होगी। बता दें, गुरुवार को जारी नोटिफिकेशन में कहा गया था लैपटॉप, टैबलेट, ऑल –इन–वन पर्सनल कंप्यूटर और सर्वर के आयात को तत्काल प्रभाव से अंकुश की श्रेणी में डाल दिया गया है।

आयरलैंड ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली,एजेंसी। आयरलैंड ने भारत के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। भारत बनाम आयरलैंड सीरीज 18 अगस्त से शुरू होगी। वहीं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने आयरलैंड के खिलाफ तीन मैच की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान सोमवार (31 जुलाई) को कर दिया था। इस टीम की कप्तानी जसप्रीत बुमराह को सौंपी गई है।

भारतीय क्रिकेट टीम इस समय वेस्टइंडीज दौरे पर हैं, जहां टीम अपना आखिरी मैच 12 अगस्त को खेला जाएगा। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज का पहला मैच 18 अगस्त को डबलिन में खेला जाएगा। ऋतुराज गायकवाड़ को उपकप्तान बनाया है। स्क्वॉड में प्रसिद्ध कृष्णा की वापसी हुई है, जोकि अगस्त 2022 से बाहर थे।

अगले साल होने वाले टी–20 विश्वकप में अपना स्थान सुनिश्चित करने के बाद आयरलैंड टीम पहली बार टी–20 सीरीज खेलेगी। टीम में मुख्य रूप से वे खिलाड़ी शामिल किए गए हैं जो पिछले महीने विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान का हिस्सा थे।

आयरलैंड के चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, स्कॉटलैंड में हालिया क्वालीफाइंग अभियान अगले टी20 विश्व कप के लिए हमारी रणनीतिक योजना का पहला चरण था। विश्व कप से पहले हमे लगभग 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। इसलिए यह भी महत्वपूर्ण है कि हम अपने पास मौजूद अवसरों का उपयोग करें।मुझे उम्मीद है कि भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज टीम में नामित सभी 15 खिलाड़ी किसी न किसी समय शामिल होंगे।

इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने लिया संन्यास

नई दिल्ली,एजेंसी। इंग्लैंड के खतरनाक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने 2022 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड को चौंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह टी20 इंटरनेशनल में इंग्लैंड की ओर से शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। एलेक्स हेल्स ने अपने करियर के दौरान 5066 इंटरनेशनल रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 7 शतक और 50 अर्धशतक लगाए। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी20 विश्व कप 2022 सेमीफाइनल में वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। 2022 में टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली इंग्लैंड की

टीम का हिस्सा भी रहे थे। टी20 विश्व कप 2022 में एलेक्स ने 6 मैचों में 212 रन बनाए थे।

एलेक्स का विवादों से भी नाता रहा है। 2019 में आईसीसी विश्व कप से करीब एक महीने पहले एलेक्स हेल्स को ड्रग टेस्ट में फेल होने के बाद 21 दिन के लिए सस्पेंड कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें वर्ल्ड स्क्वॉड से भी बाहर कर दिया गया। इसके बाद इयोन मोर्गन के कप्तान रहते हुए हेल्स की वापसी नहीं हुई। लेकिन 2022 में जॉनी बेयरस्टो के चोटिल होने से हेल्स वापसी करने में कामयाब हुए। उन्होंने उसके बाद 15 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले।

जीत के बाद भी वेस्टइंडीज को आईसीसी ने दिया झटका

नई दिल्ली,एजेंसी। वेस्टइंडीज ने पहले टी20 मैच में भारत को 4 रन से हरा दिया है। ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए स्टेडियम में दोनों ही टीमों ने बड़ी गलती की, जिसके कारण आईसीसी ने जुर्माना लगाया है। भारत और वेस्टइंडीज के ऊपर पहले मैच में स्लो ओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया है। आईसीसी मीडिया विज्ञप्ति में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। भारत ने अपनी गेंदबाजी पारी के दौरान एक

ओवर कम डाला, जिसके कारण उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत कम कर दिया गया। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज ने दो ओवर कम फेंके, जिससे उनके खिलाड़ियों की मैच फीस में दस प्रतिशत की कटौती हुई। जुर्माना खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार था। कानून के अनुसार, खिलाड़ियों को उनकी टीम द्वारा आवंटित समय में प्रत्येक ओवर फेंकने में विफल रहने पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

क्या वर्ल्ड कप से पहले मुश्किल में है टीम इंडिया?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि आगामी वनडे विश्व कप से पहले खिलाड़ियों को लेकर हो रहे फेरबदल पर टीम मैनेजमेंट की आलोचना करना सही नहीं है। क्योंकि कुछ बदलाव बड़े खिलाड़ियों के अनुपलब्धता की वजह से हो रहे हैं। भारत इस समय वेस्टइंडीज दौरे पर है, जहां टीम ने वनडे सीरीज के अंतिम दो मैचों में रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना खेलने का फैसला किया और मैचों के दौरान बल्लेबाजी क्रम में कई तरह के बदलाव देखने को मिले। आकाश चोपड़ा ने जियो सिनेमा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा, हाथ बंधे हुए हैं। क्योंकि मैंने भी वनडे सीरीज के दौरान हुए एक्सपेरिमेंट पर आलोचना की थी, जब उन्होंने सीरीज के दौरान नंबर तीन और चार पर अलग–हाअलग बल्लेबाजों को भेजा और आपने सवाल करने शुरू किए, टीम क्या करना चाह रही है। फिर दिमाग में आया कि ये खिलाड़ी उपलब्ध ा नहीं रहेंगे। सिर्फ सोच रहा हूं। यही हमने मैच सेंटर में भी बात की। उन्होंने आगे कहा, श्श्क्या श्रेयस अय्यर और केएल राहुल उपलब्ध रहेंगे? या कुछ ऐसा दिख रहा है कि वे उपलब्ध नहीं हो सकते हैं और इस वजह से ये विकल्प के लिए संघर्ष करते हुए दिख रहे हैं।

नई रिपोर्ट पर नजर डाले तो ऐसा ही लग रहा है। अगर ऐसा है तो आप उन्हें दोष नहीं दे सकते हैं।

उनके पास जो भी है उसी से काम चला रहे हैं। इस उम्मीद के साथ कि हमारे सभी प्रमुख खिलाड़ी फिट हो जाएंगे। मैं टीम प्रबंधन को बिल्कुल भी दोष नहीं देता। भारत मुश्किल स्थिति में है।

एक ही दिन में 5000 रुपये चढ़ गए टायर कंपनी के शेयर

नई दिल्ली,एजेंसी। टायर कंपनी एमआरएफ के शेयरों में तगड़ा उछाल आया है। एमआरएफ (डत्थ्) के शेयर शुक्रवार को 4 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 111939.95 रुपये पर पहुंच गए

हैं। यह कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का नया हाई है। प्राइस के लिहाज से एमआरएफ के शेयर एक ही दिन में 5000 रुपये से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर गुरुवार को 106923.10 रुपये पर बंद हुए थे। इस हिसाब से एमआरएफ के शेयरों में शुक्रवार को 5016 रुपये का उछाल आया है। टायर कंपनी एमआरएफ के शेयर 2 दिन में 9 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 3 अगस्त को 1,02,300.65 रुपये पर खुले थे। एमआरएफ (डत्थ्) के शेयर शुक्रवार 4 अगस्त को 1,11,939.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में 2 दिन में 9640 रुपये का उछाल आया है। एमआरएफ के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 78,000 रुपये है।

इस कंपनी के शेयरों की मर्ची लूट

नई दिल्ली,एजेंसी। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का नेट प्रॉफिट चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 43 प्रतिशत बढ़कर 1,324 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही नतीजों आने के बाद कंपनी के शेयरों की डिमांड अचानक बढ़ गई। बता दें, कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया कि एलआईसी की सब्सिडियरी आवास वित्त कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 925 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

संपत्ति गुणवत्ता के मामले में कंपनी की सकल गैर निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) आलोच्य तिमाही में कुल कर्ज का 4.98 प्रतिशत रही जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4.96 प्रतिशत थी।

यूनाइटेड टाइम्स
(हिन्दी साप्ताहिक)
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, विमल कुमार (आनन्द) द्वारा प्वाइंट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला, गुरुगोविंद सिंह मार्ग लालकुआं लखनऊ से मुद्रित कर 117/158 जम्बूर खाना जनपद लखनऊ 226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित ।

संपादक
निर्मला पाण्डेय, 07266876565

उप संपादक
शक्ति तिवारी, 085459 69304

.राम मिलन यादव – (एडवोकेट), 07266876565

www-unitedtimes001@gmail-com
www.unitedtimes-news.com
.0522 407 3850, 06394443911

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।